NEWS CLIPPING: 17.11.2019

PUNJAB KESARI

'शिक्षा के बिना समाज में बदलाव मुश्किल'

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में 'जश्न-ए-फरीदाबाद' का आगाज

- पुस्तक मेला, संगोष्ठी, नाटक, मुशायरा और गजलों ने बांधा समां
- संवेदनशीलता के लिए साहित्य एवं कला महत्वपूर्ण: वजाहत

'जश्न-ए-फरीदाबाद' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व अन्य। (छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 16 नवम्बर (पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद और फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर क्लब के संयुक्त में विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'जश्न-ए-फरीदाबाद' कार्यक्रम आज प्रारंभ हो गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में पुस्तक मेला, संगोष्ठी, नाटक, मुशायरा, गायन तथा विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर सेंटर के अध्यक्ष विनोद मलिक, प्रसिद्ध साहित्यकार असगर वजाहत और जीवा संस्थान के अध्यक्ष ऋषि पाल चौहान मुख्य रूप से उपस्थित थे तथा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर समकालीन विश्व में साहित्य की महत्वता विषय पर परिचर्चा तथा विद्यार्थियों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता आयोजित की गई। परिचर्चा को संबोधित करते हुए असगर वजाहत ने समाज में संवेदनशीलता के लिए साहित्य एवं कला को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और साहित्य के बिना समाज में सार्थक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। परिचर्चा में हिस्सा लेते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कला और साहित्य के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण यह है कि हम किस तरह की शिक्षा ले रहे है।

साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि किसी देश की ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की मुकम्मल तस्वीर उस देश के साहित्य में मिलती है। इसलिए कहा जाता है कि 'अंधकार है वहां जहां, आदित्य नहीं है, मुर्दा है वह देश, जहां साहित्य नही है।' कार्यक्रम के पहले दिन साहित्य का फिल्मों में व फिल्मों का साहित्य में योगदान विषय पर परिचर्चा का आयोजन भी किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता लेखक व समालोचक यतीन्द्र मिश्रा तथा प्रसिद्ध कवि दिनेश रघुवंशी रहे। इसके उपरांत असगर वजाहत द्वारा लिखित तथा शकील खान द्वारा निर्देशित प्रसिद्ध नाटक 'जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नई' की प्रस्तुति दी गई। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का संचालन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान तथा डॉ. सोनिया बंसल की देखरेख में किया जा रहा है।

भूतपूर्व विद्यार्थियों ने मनाई 'रजत जयंती'

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद में वाईएमसीए संस्थान के भूतपूर्व छात्रों (एलुमनाई मीट) का एक मिलन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें वर्ष 1990 से 1990 के बीच वाईएमसीए संस्थान से उत्तीर्ण हुए भूतपूर्व छात्र शामिल हुए। ये सभी भूतपूर्व विद्यार्थी संस्थान से उत्तीर्ण होने के 25 वर्ष पूरे होने तथा संस्थान की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए एकत्रित हुए थे। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने एक संस्थान के रूप में अपने 50वें वर्ष पूरे कर लिये है। भूतपूर्व विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार से भी मुलाकात की तथा विश्वविद्यालय में चल रहे कार्य में, सुविधाओं तथा भावी योजनाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग तथा डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। भूतपूर्व विद्यार्थियों में कई जाने माने उद्यमी तथा कारपोरेट जगत के बड़े पदाधिकारी शामिल थे। उन्होंने कुलपति के साथ अपने अनुभव साझे किये तथा विश्वविद्यालय को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार का निर्माण भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा करवाया गया है। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने भूतपूर्व विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी तथा कहा कि ऐसे कार्य में को निरंतर रूप से आयोजित करने की आवश्यकता है ताकि उनका विश्वविद्यालय के प्रति जुड़ाव बना रहे और विश्वविद्यालय को भी लाभ मिल सके। इस अवसर पर बोलते हुए, मॉब के महासचिव अनिल भारद्वाज ने एलुमनाई एसोसिएशन की गतिविधियों पर एक संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान और उसके पूर्व छात्रों के बीच संबंध बनाए रखने तथा परस्पर सहयोग बढ़ाने के लिए वर्ष 1985 में एसोसिएशन की स्थापित की गई थी। वर्तमान में, एसोसिएशन में सदस्यों की संख्या लगभग 5500 हैं तथा यह संख्या निरंतर बढ़ रही है। इस अवसर पर भूतपूर्व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न हिस्सों दौरा किया तथा विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। एलुमनाई मीट में लगभग 80 भूतपूर्व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें से कई सिंगापुर व इंडोनेशिया से आयोजन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर, भूतपूर्व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों का दौरा किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sun, 17 November 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/45856844

NEWS CLIPPING: 17.11.2019

HINDUSTAN

'जश्न-ए-फरीदाबाद' की धूम रही

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए और फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर क्लब की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को दो दिवसीय जश्न-ए-फरीदाबाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

मुख्य अतिथि फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर सेंटर के अध्यक्ष विनोद मलिक, प्रसिद्ध साहित्यकार असगर वजाहत, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग व जीवा संस्थान के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में पुस्तक मेला, संगोष्ठी, नाटक, मुशायरा, गायन सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा।

कार्यक्रम के पहले सत्र में समकालीन विश्व में साहित्य के महत्व विषय पर परिचर्चा का आयोजन हुआ।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित जश्न-ए-फरीदाबाद' कार्यक्रम को प्रसिद्ध साहित्यकार असगर वजाहत ने संबोधित किया। ● हिन्दुस्तान

संबोधित करते हुए असगर वजाहत ने कहा कि समाज में संवेदनशीलता के लिए साहित्य एवं कला का अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और साहित्य के बिना समाज में सार्थक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कला और साहित्य के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण यह है, कि हम किस तरह की शिक्षा ले रहे हैं? संचार प्रौद्योगिकी के युग में युवा पीढ़ी साहित्य से दूर हो रही है। ऐसे में युवा सोशल मीडिया पर तो सक्रिय है लेकिन सामाजिक रुप से संवेदनशीलता का अभाव है। दूसरे सत्र में चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।असगर वजाहत की ओर से लिखे गए और शकील खान की ओर से निर्देशित प्रसिद्ध नाटक 'जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नई' की प्रस्तुति दी गई। वहीं शाम को 'एक शाम गालिब के नाम' कार्यक्रम में गजल भी हुई।

NEWS CLIPPING: 17.11.2019

NAVBHARAT TIMES

'जश्न-ए-फरीदाबाद' में दिखा संस्कृति का संगम

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में हुआ कार्यक्रम, पुस्तक मेला भी लगाया गया

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

जेसी बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस टेक्नॉलजी वाईएमसीए परिसर में शनिवार से 'जश्न-ए-फरीदाबाद' 2 का आगाज हुआ। 2 दिवसीय इस कार्यक्रम में हिंदी, पंजाबी व उर्दू साहित्य और संस्कृति का संगम देखने को मिला। इसमें 'जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नई' नाटक को लोगों ने खूब पसंद किया। इस खास कार्यक्रम में साहित्य के प्रति युवाओं की दिलचस्पी बढ़ाने के लिए पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया।

फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चरल सेंटर और जेसी बोस के संयुक्त प्रयास से यह कार्यक्रम शुरू हुआ। हिंदी भाषा के प्रसिद्ध विद्वान व लोकप्रिय कथा लेखक असगर वजाहत ने बतौर मुख्य अतिथि दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष विनोद मलिक, महासचिव मनोहरलाल नंदवानी, कोषाध्यक्ष जगदीप सिंह मैनी, कार्यकारी सदस्य विजय कुमार अग्रवाल और कार्यकारी सदस्य अश्वारी कुमार सेठी ने बताया कि जीवा अंतर विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता अलग-अलग वर्ग में कराई गई। इसमें शाम को 'एक शाम गालिब के नाम' कार्यक्रम शुरू हुआ। इस मौके पर जीवा संस्थान के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, जेसी बोस के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार, कवि दिनेश रघुवंशी, बृजमोहन शर्मा, हरदीप महाजन समेत कई लोग मौजूद थे।

वीएफएक्स लैब खुली

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एनिमेशन और मल्टीमीडिया के लिए अत्याधुनिक कंप्यूटिंग एवं वीएफएक्स लैब विकसित की है। इससे विद्यार्थी एनिमेशन फिल्म मेकिंग में 3डी एनिमेटिड डिजिटल सब्जेक्ट और स्पेशल इफैक्ट बनाना सीख सकेंगे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने लैब का उद्घाटन किया।

NEWS CLIPPING: 17.11.2019

AMAR UJALA

'मुर्दा है वह देश जहां साहित्य नहीं'

जेसी बोस विश्वविद्यालय में आयोजित नाटक, मुशायरा ने बांधा जश्न-ए-फरीदाबाद का समा

फरीदाबाद के जेसी बोस विश्वविद्यालय में आयोजित जश्न-ए-फरीदाबाद कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए बच्चे।

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विवि में जश्न-ए-फरीदाबाद कार्यक्रम का शनिवार को शानदार आगाज हुआ। साहित्यकार असगर वजाहत ने युवाओं को साहित्य से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। पुस्तक मेला, संगोष्ठी, नाटक, मुशायरा और गजलों ने समा बांधा। लिटरेरी एंड कल्चर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय जश्न-ए-फरीदाबाद की शुरुआत की गई। इस मौके पर असगर वजाहत लिखित और शकील खान द्वारा निर्देशित प्रसिद्ध नाटक 'जिस लाहौर नि वेख्या, ओ जम्याई नि की प्रस्तुति दी गई। उद्घाटन समारोह में विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर सेंटर के अध्यक्ष विनोद मलिक, साहित्यकार वजाहत और जीवा संस्थान के अध्यक्ष ऋषि पाल चौहान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कला और साहित्य के संवर्धन के लिए यह जानना जरूरी है कि है कि हम किस तरह की शिक्षा ले रहे है। सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के युग में युवा पीढ़ी साहित्य से दूर हो रही है। ऐसे में एक बार फिर कला व साहित्य से युवाओं को जोड़ने की जरुरत है। इसलिए कहा जाता है कि 'अंधकार है वहां जहां, आदित्य नहीं है, मुर्दा है वह देश, जहां साहित्य नही है'।

NEWS CLIPPING: 17.11.2019

DAINIK JAGRAN

'शिक्षा-साहित्य बिना सार्थक परिवर्तन नहीं'

फरीदाबाद लिटरेरी एवं कल्चरल सेंटर की ओर से जेसी बोस विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय जश्न-ए-फरीदाबाद कार्यक्रम के दौरान कला प्रतियोगिता में बच्चे कलाकृतियों को दिखाते हुए ● फोटो विश्वविद्यालय के सौजन्य से।

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय और फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर क्लब के संयुक्त में जश्न-ए-फरीदाबाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में पुस्तक मेला, संगोष्ठी, नाटक, मुशायरा, गायन तथा विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष विनोद मलिक, प्रसिद्ध साहित्यकार असगर वजाहत और जीवा संस्थान के अध्यक्ष ऋषि पाल चौहान मुख्य रूप से उपस्थित थे।

अपने संबोधन में साहित्यकार असगर वजाहत ने समाज में संवेदनशीलता के लिए साहित्य एवं कला को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और साहित्य के बिना समाज में सार्थक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कला और साहित्य के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण यह है कि हम किस तरह की शिक्षा ले रहे है। आज सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के युग में युवा पीढ़ी साहित्य से दूर हो रही है, जिसे फिर से कला व साहित्य से जोड़ने की आवश्यकता है। युवा वर्ग सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं, लेकिन सामाजिक रूप से संवेदनशीलता का अभाव है। किसी देश की ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की मुकम्मल तस्वीर उस देश के साहित्य में मिलती है। इससे पूर्व कुलपति ने विश्वविद्यालय प्रांगण में लगाए जा रहे पुस्तक मेले का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम के पहले दिन साहित्य का फिल्मों में व फिल्मों का साहित्य में योगदान विषय पर परिचर्चा का आयोजन भी किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता लेखक व समालोचक यतिंद्र मिश्रा तथा प्रसिद्ध कवि दिनेश रघुवंशी रहे। कार्यक्रम का संचालन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान तथा डॉ. सोनिया बंसल की देखरेख में किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING: 17.11.2019

PUNJAB KESARI COM

जश्न-ए-फरीदाबाद कार्यक्रम का शुभारंभ

फरीदाबाद,राकेश देव (पंजाब केसरी): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद और फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर क्लब के संयुक्त में विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय जश्न-ए-फरीदाबाद कार्यक्रम आज प्रारंभ हो गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में पुस्तक मेला, संगोष्ठी, नाटक, मुशायरा, गायन तथा विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर सेंटर के अध्यक्ष विनोद मलिक, प्रसिद्ध साहित्यकार असगर वजाहत और जीवा संस्थान के अध्यक्ष श्री ऋषि पाल चौहान मुख्य रूप से उपस्थित थे तथा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर समकालीन विश्व में साहित्य की महत्वता विषय पर परिचर्चा तथा विद्यार्थियों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता आयोजित की गई। परिचर्चा को संबोधित करते हुए असगर वजाहत ने समाज में संवेदनशीलता के लिए साहित्य एवं कला को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और साहित्य के बिना समाज में सार्थक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। परिचर्चा में हिस्सा लेते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कला और साहित्य के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण यह है कि हम किस तरह की शिक्षा ले रहे है। आज सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के युग में युवा पीढ़ी साहित्य से दूर हो रही है, जिसे फिर से कला व साहित्य से जोड़ने की आवश्यकता है। युवा वर्ग सोशल मीडिया पर तो सक्रिय है लेकिन सामाजिक रूप से संवेदनशीलता का आभाव है।साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि किसी देश की ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की मुकम्मल तस्वीर उस देश के साहित्य में मिलती है।

पंजाब केसरी
Sun, 17 November 2019
mpaper.punjabkesari.com/c/4

NEWS CLIPPING: 17.11.2019

DAINIK BHASKAR

शिक्षा व साहित्य के बिना समाज में सार्थक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता : असगर वजाहत

जेसी बोस विश्वविद्यालय में 'जश्न-ए-फरीदाबाद' कार्यक्रम का शानदार आगाज

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 'जश्न-ए-फरीदाबाद' कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को हुआ। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, फरीदाबाद लिटरेरी एंड कल्चर सेंटर के अध्यक्ष विनोद मलिक, प्रसिद्ध साहित्यकार असगर वजाहत और जीवा संस्थान के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसका शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और साहित्य के बिना समाज में सार्थक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता।

परिचर्चा को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध साहित्यकार असगर वजाहत।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कला और साहित्य के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण यह है कि हम किस तरह की शिक्षा ले रहे हैं। इस दौरान स्टूडेंट्स के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता भी हुई।

मिलन समारोह का आयोजन किया गया

फरीदाबाद | जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भूतपूर्व छात्रों का मिलन समारोह हुआ। इसमें वर्ष 1990 से 1990 के बीच वाईएमसीए संस्थान से उत्तीर्ण हुए पूर्व छात्र शामिल हुए। ये सभी संस्थान से उत्तीर्ण होने के 25 वर्ष पूरे होने तथा संस्थान की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए एकत्रित हुए थे। पूर्व विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार से मुलाकात कर यूनिवर्सिटी में चल रहे कार्यक्रमों, सुविधाओं की जानकारी ली।